सुविचार

संबंध सुदामा और कृष्ण जैसा होना चाहिए। एक ने कभी कुछ मांगा नहीं और दूसरे ने सब देकर भी कभी जताया नहीं।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 74 | पंचकूला। सोमवार, 20 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

चार धाम यात्रा का आगाज, सीएम धामी ने गंगोत्री में की पूजा

गंगोत्री, 19 अप्रैल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री गंगोत्री धाम में पूजा-अर्चना की, मंदिर के द्वार औपचारिक रूप से खोल दिए गए, जो वार्षिक चार धाम यात्रा के प्रारंभ का प्रतीक है। उसी दिन यमुनोत्री धाम के द्वार भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। दोनों तीर्थस्थलों को फूलों से सजाया गया। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की। इस दौरान धूमधाम से उत्सव मनाया गया, जिसमें ढोल दमाऊ और रानसिंघा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण गूंज उठा। गढ़वाल राइफल्स बैंड ने भी इसमें भाग लिया, जिससे देवी का उनके ग्रीष्मकालीन निवास में स्वागत करते समय समारोह में औपचारिक स्पर्श जुड़ गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, पुजारियों, साधुओं और अधिकारियों ने जुलूस में भाग लिया, जो तीर्थयात्रा से जुड़ी सामूहिक आस्था और एकता को रेखांकित करता है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 18 की मौत

विरुधुनगर। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के पास कट्टानारपट्टी स्थित 'वनजा पटाखा फैक्ट्री' में रविवार को धमाके से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्यों में तेजी लाने और उनकी निगरानी करने तथा प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने का अनुरोध किया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता समन्वय करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस ने सुधा भारद्वाज को दिया पंचकूला में मेयर पद के लिए टिकट

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने पंचकूला में मेयर पद के लिए उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस की महिला विंग की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद कुमारी सैलजा की करीबी सुधा भारद्वाज को टिकट दिया गया है। सुधा भारद्वाज कांग्रेस नेता संजीव भारद्वाज की पत्नी हैं, जो फिलहाल प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी हैं।

पंचकूला में पार्टी के पास मुख्य तौर 2 ही नाम थे। इनमें पंजाबी समाज से आने वाले पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रावल और ब्राह्मण समाज से सुधा भारद्वाज शामिल हैं। पंजाबी समाज के वोटरों की संख्या करीब 50 हजार और ब्राह्मण समाज के वोट करीब 15 हजार हैं।

CLP लीडर ने रविंद्र रावल के नाम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन हाल ही में अनुशासन समिति के द्वारा जारी शोकॉज नोटिस के कारण उनके नाम पर सहमति नहीं बनी।

सोनीपत, पंचकूला, अंबाला नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद, उकलाना, धारूहेड़ा व सांपला नगर पालिका में 10 मई को वोटिंग होनी है। 21 अप्रैल से नामांकन भरे जाएंगे। 13 मई को रिजल्ट आएगा।

हुड्डा ने रावल के नाम का प्रस्ताव रखा : 17 अप्रैल को पंचकूला में टिकट को लेकर मंथन हुआ था। इसमें भूपेंद्र सिंह हुड्?डा, कुमारी सैलजा और विधायक चंद्रमोहन भी पहुंचे थे। मीटिंग में मौजूद एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र ने मीटिंग में बताया था कि मेयर की टिकट के लिए 12 आवेदन आए थे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविंद्र रावल के नाम का प्रस्ताव रखा।

चंद्रमोहन ने रावल के नाम पर आपत्ति जताई : मीटिंग में मौजूद नेता ने यह भी बताया कि कांग्रेस खू चंद्रमोहन ख? हुए और कहा कि इन 12 नामों में रविंद्र रावल का नाम न गिना जाए, क्योंकि विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर अनुशासन समिति ने उन्हें नोटिस जारी किया हुआ है। जब चंद्रमोहन से टिकट के लिए नाम मांगा गया तो उन्होंने सुधा भारद्वाज के नाम का प्रस्ताव रखा। सांसद कुमारी सैलजा से पूछा गया तो उन्होंने भी चंद्रमोहन की पसंद पर अपनी सहमति जता दी।

महिला प्रदेश अध्यक्ष रह चुकीं सुधा भारद्वाज

सुधा भारद्वाज कांग्रेस में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर रहीं है। उसके बाद जब पद खाली हुआ तो उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। वे संजीव भारद्वाज की पत्नी हैं, जो फिलहाल प्रदेश कांग्रेस में मीडिया इंचार्ज का काम देख रहे हैं। भारद्वाज 2004 में HPCC सचिव थे, 2005 में पार्टी छोड़ दी और 2016 में फिर से पार्टी में शामिल हो गए। परिवार को एंटी हुड्?डा खेमें में गिना जाता है। सुधा पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में भी सक्रिय रहीं हैं।

ईरान और अमेरिका में आज फिर से इस्लामाबाद में हो सकती है शांति वार्ता

ईरान बोला- जब तक अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी रहेगी, उनका डेलिगेशन नहीं जाएगा पाकिस्तान

पंचकूला ऑब्जर्वर

एआई जेनेरेटिड

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने को लेकर इस्लामाबाद में आज दूसरे दौर की बातचीत होने वाली है। लेकिन इस शांति वार्ता में संशय के बादल भी मंडरा रहे है। दरअसल, ईरान ने अपने प्रतिनिधियों को पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया है।

ईरान की सरकारी न्यूज के मुताबिक जब तक ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी, तब तक पाकिस्तान में बातचीत के लिए कोई डेलिगेशन नहीं भेजा जाएगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास आखिरी मौका है। अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े हमले किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन सोमवार को बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचेंगे।

अमेरिकी डेलिगेशन में जेडी वेंस नहीं होंगे शामिल

इधर, डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचेगा, जिसमें विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल होंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस बार अमेरिकी डेलिगेशन का हिस्सा नहीं होंगे। पहले दौर की वार्ता में उन्होंने अमेरिकी टीम का नेतृत्व किया था, जिसमें विटकॉफ और कुशनर शामिल थे। बता दें कि दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविराम की समयसीमा इस हफ्ते खत्म हो रही है। बातचीत की संभावना ऐसे समय में सामने आई है, जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव जारी है। अमेरिका की नाकेबंदी के ईरान की धमकियों के चलते इस अहम जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है।

भारतीय जहाजों पर फायरिंग के बाद पाकिस्तान की भूमिका पर उठे सवाल, क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर चिंता

नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के ट्रांजिट को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। बीते दिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की तरफ से भारत का झंडा लगे हुए दो जहाजों पर गोलीबारी की घटना सामने आने के बाद बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने ईरान की आलोचना की। मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बलूचिस्तान रिपब्लिक उस फायरिंग की घटना की कड़ी निंदा करता है जिसमें ईरान की नेवी ने दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से पश्चिम की ओर धकेल दिया था। कमर्शियल शिपिंग, खासकर भारतीय झंडे वाले वीएलसीसी सुपरटैंकर के खिलाफ बल का इस्तेमाल एक खतरनाक बढ़ोतरी दिखाता है। यह इलाके की स्थिरता और जरूरी ग्लोबल ट्रेड रूट की सुरक्षा के लिए खतरा है। घटना के दौरान भारतीय झंडे वाला सुपरटैंकर लगभग 2 मिलियन बैरल इराकी तेल ले जा रहा था। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता ने हाल ही में पाकिस्तान के जनरल असीम मुनीर के ईरान दौरे का जिक्र करते हुए कहा, यह घटना खास तौर पर चिंता की बात है क्योंकि यह घटना तेहरान से आसिम मुनीर के लौटने के कुछ ही समय बाद हुई।

प्लॉगिंग ड्राइव : स्वच्छ एवं स्वस्थ अभियान से कलाकारों ने दिया स्वच्छता का संदेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। मिशान फाउंडेशन द्वारा नगर निगम पंचकूला, खालसा यूथ क्लब एवं मंथन आर्ट्स एंड थिएटर सोसाइटी के सहयोग से ÷स्वच्छ एवं स्वस्थ अभियान÷ के अंतर्गत आज प्रातः सेक्टर-5 स्थित यवनिका मेन पार्किंग सेक्टर-9 शोरूम्स के सामने से एक जागरूकता प्लॉगिंग ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान में प्रतिभागियों ने दौड़ते हुए रास्तों पर फैले प्लास्टिक कचरे को एकत्रित किया और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। यह पहल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का एक प्रयास है।

मिशान फाउंडेशन एवं खालसा यूथ क्लब पिछले कई वर्षों से लगातार इस प्रकार के पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता संबंधी अभियानों का आयोजन करता आ रहा है, जिससे शहर को साफ-सुथरा और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में विनय कुमार आयुक्त, नगर निगम, सरदार विपिन प्रीत सिंह प्रधान खालसा यूथ क्लब, दीपाली राजपूत अभिनेत्री एवं समाजसेवी, मानव आहूजा अभिनेता, निर्देशक, रेडियो जॉकी, पॉडकास्टर एवं समाजसेवी, मानव मीत सिंह ग्रेवाल पर्यावरणविद् एवं सह-संस्थापक, मित्रा हेल्प, हीरा सिंह संस्थापक, मंथन आर्ट्स एंड थिएटर सोसाइटी एवं मनीषा चौधरी संस्थापक, मिशन चेतना फाउंडेशन, बिक्रमजीत सिंह, निकुंज गोयल, परीक्षित चौहान, मनदीप गुसाई प्रमुख रूप से शामिल रहे। विशेष रूप से, माननीय आयुक्त विनय कुमार ने इस मुहिम में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करते हुए स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।

'आप' नगर निगम चुनाव के लिए तैयार : सुरेन्द्र राठी

पंचकूला ऑब्जर्वर

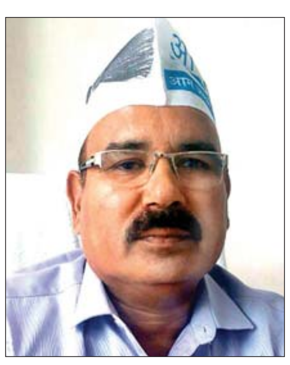

पंचकूला। नगर निगम चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व लोकसभा अध्यक्ष अंबाला सुरेंद्र राठी ने बताया कि मेयर और एमसी (नगर पार्षद) उम्मीदवारों की घोषणा जल्द की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और सभी उम्मीदवार ÷झाड़ू÷ चुनाव चिन्ह पर ही चुनाव लड़ेंगे। संगठन स्तर पर लगातार बैठकों का दौर जारी है और संभावित उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मंथन किया जा रहा है।

सुरेंद्र राठी ने बताया कि पार्टी पंचकूला में स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ेगी। चुनावी एजेंडा में सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़कें, पारदर्शिता, नगर निगम में फैला भ्रष्टाचार और सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं की समस्या जैसे अहम विषय शामिल किए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यों को देखते हुए हरियाणा में भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। जनता का समर्थन्‚क्क के साथ जुड़ रहा है, जिससे चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

श्री राठी ने कहा की मेयर और एमसी उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जल्द जारी कर दी जाएगी, जिसके बाद चुनावी गतिविधियों को और गति मिलेगी।

कालका काली माता मंदिर के सामने बच्चे पर पलटा ट्रक, मौत

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। कालका में काली माता मंदिर के पास एक दुखद दुर्घटना में, रविवार तड़के प्रवेश द्वार पर एक ट्रक पलटने से 4 साल के एक बच्चे और एक ट्रक ड्राइवर की जान चली गई। कालका के काली माता मंदिर के नजदीक देररात सीमेंट की बोरियों से भरा ट्रक अचानक पलट गया, जिसकी चपेट में आने से 4 साल के मासूम की मौत हो गई और अस्पताल में डाक्टरों ने चालक को भी मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद कालका वासी स्तब्ध हैं और भारी वाहनों की आवाजाही को बंद करने की मांग कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान अंबाला निवासी मनिंदर के रूप में हुई है। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह घटना सुबह करीब 4 बजे हुई, जब परिवार मंदिर में दर्शन करने आया था और सुबह के दर्शन के बाद लौटने की तैयारी कर रहा था। कालका के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीमेंट से लदा ट्रक, जिसे निशान सिंह चला रहा था, मंदिर के प्रवेश द्वार के पास एक तीखे मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वह पलट गया। वाहन उस तरफ गिरा जहां लोग खड़े थे। तभी मंदिर से बाहर निकल रहे परिवार के साथ मासूम बच्चे पर सीमेंट की बोरियां गिरने लगी, यह देखकर सब बुरी तरह सहम गए और वहां चीख-पुकार मच गई।

परिवार का रोरो कर बुरा हाल था। परिवार के लोग अंबाला से पंचकूला घूमने के लिए आए थे और वहां से कालका मंदिर में माथा टेकने के लिए गए थे। ट्रक ड्राइवर, निशान सिंह को भी इस दुर्घटना में जानलेवा चोटें आईं और घटना के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गई।

कुंहार सभा और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने प्रवीण गोयल को दिया समर्थन

पंचकूला। नगर निगम चुनावों की सरगर्मियों के बीच वार्ड नंबर-6 (सेक्टर 16, 17 और 18) में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस चुनावी माहौल में भाजपा टिकट के मजबूत दावेदार प्रवीण गोयल को क्षेत्र में लगातार बढ़ता जनसमर्थन मिल रहा है।स्‌ थानीय स्तर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों का खुला समर्थन उनकी दावेदारी को और मजबूती दे रहा है। हाल ही में प्रजापति (कुम्हार) सभा पंचकूला और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला पंचकूला ने औपचारिक रूप से प्रवीण गोयल के समर्थन में पत्र जारी किए हैं।

दोनों संगठनों ने उन्हें एक सक्रिय, समर्पित और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए आगामी नगर निगम चुनाव में अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रवीण गोयल लंबे समय से समाजहित के कार्यों में सक्रिय रहे हैं और उन्होंने हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे बढ़कर काम किया है।

उनका मानना है कि प्रवीण गोयल का सामाजिक अनुभव, प्रशासनिक समझ और क्षेत्र की समस्याओं पर गहरी पकड़ उन्हें वार्ड नंबर-6 के लिए एक मजबूत और सक्षम उम्मीदवार बनाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि उन्हें मौका मिलता है तो वे क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

समारोह एफपीएआई पंचकूला ने किया 'हर वॉयस, हर च्वायस' का आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम से दिया महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता संदेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पंचकूला शाखा द्वारा सुनहरी शाम कार्यक्रम के चौथे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर जस्टिस ऋतु बाहरी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस वर्ष के आयोजन का मुख्य थीम 'हर वॉयस, हर च्वायस' रहा। जिसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, विशेष रूप से यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में ट्राइसिटी के लगभग 500 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त, एफपीएआई मुख्यालय से सुश्री निशा जगदीश, डॉ.नीलेश पाटिल व पराग दत्त शर्मा की उपस्थिति रही, जिसने इस आयोजन को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.रत्नमाला देसाई एवं संस्था की डायरेक्टर जनरल डॉ.कल्पना आप्टे ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, जागरूकता गतिविधियों एवं संवाद सत्रों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में ब्रांच के युवा लक्ष्मण द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम को विशेष रूप से सराहा गया। इसके अतिरिक्त रेट्रो म्यूजिक,स्टैंड-अप कॉमेडी,भांगड़ा एवं अन्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

एफपीएआई पंचकूला शाखा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी, ताकि समाज में जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके।

पंजाब सरकार द्वारा विधवा और निराश्रित महिलाओं के लिए 102 करोड़ रुपये से अधिक राशि जारी: डॉ. बलजीत कौर

- महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए 2026-27 के दौरान 1200 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान
- 6.83 लाख महिलाओं को हर महीने मिल रही वित्तीय सहायता, आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की दिशा में बड़ा कदम

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 19 अप्रैल। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य की विधवा और निराश्रित महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के मार्च माह के लिए 102 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है।

इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार जन-कल्याणकारी और परिणामोन्मुख प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय सहायता हजारों महिलाओं के लिए सहारा बन रही है, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करते हुए आत्मविश्वास के साथ जीवन व्यतीत कर पा रही हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य की 6,83,004 विधवा और निराश्रित महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है और उन्हें हर महीने वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान पात्र लाभार्थियों को निरंतर पेंशन मिलती रहे, इसके लिए पंजाब सरकार द्वारा 1200 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान किया गया है, जो महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि 58 वर्ष से कम आयु की विधवा और निराश्रित महिलाएं, 30 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित महिलाएं तथा 60,000 रुपये या इससे कम वार्षिक आय वाली महिलाएं इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं। डॉ. बलजीत कौर ने दोहराया कि पंजाब सरकार राज्य की महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर पात्र महिला को समय पर वित्तीय सहायता मिले। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाओं से महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में भी मदद मिल रही है।

मान सरकार का बेअदबी विरोधी बिल राज्यपाल की मंज़ूरी के साथ कानून बना, सियासी संरक्षण के युग का हुआ अंत: चीमा

- साजिशकर्ताओं या दोषियों के लिए कोई बचाव नहीं, नया कानून बेअदबी को अक्षम्य अपराध बनाता है
- पिछली सरकारों की वर्षों की नाकामयाबी के बाद, पंजाब ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सुरक्षा के लिए सबसे सख्त कानून लागू किया

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 19 अप्रैल। भगवंत मान सरकार ने आधिकारिक तौर पर 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल' लागू कर दिया है। पंजाब के राज्यपाल ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों के लिए उम्रकैद की व्यवस्था वाले इस कानून को मंजूरी दे दी है। यहां पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए,

कैबिनेट मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने इस कदम को भाईचारे की साझेदारी को बनाए रखने और धार्मिक ग्रंथों की पवित्रता को बरकरार रखने के लिए एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने आगे कहा, 'इतिहास एक परेशान करने वाले पैटर्न को दर्शाता है जहां अकाली-भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं, खास तौर पर 1986 की नकोदर घटना और 2015 के बरगाड़ी और बहिबल कलां मामलों का हवाला दिया जा सकता है।'

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें इंसाफ सुनिश्चित बनाने में नाकाम रहीं। उन्होंने कहा, 'पिछली सरकारों के अधीन विभिन्न आयोगों और विशेष जांच टीमों के गठन के बावजूद, कार्रवाई रिपोर्ट जैसी महत्वपूर्ण सबूत गायब हो गए और जांच फाइलें धूल फांकती रहीं, जिससे दोषी और साजिशकर्ता कानून से बचते रहे।' 2022 से आए बदलाव को उजागर करते हुए उन्होंने कहा, 'भगवंत मान सरकार ने दशकों से रुकी पड़ी जांचों को तेज करने के लिए अथक प्रयास किए। पहली बार, उच्च-पद की शख्सियतों, जिन्हें पहले सियासी सुरक्षा प्राप्त थी, को अदालतों से अग्रिम जमानत लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।'

सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुए, मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हर दोषी को इंसाफ के कटघरे में लाया जाएगा, चाहे उसका सामाजिक या राजनीतिक कद कुछ भी हो। कानून की व्यवस्थाओं के बारे में बताते हुए मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'नया बनाया गया कानून व्यापक और ठोस तैयार किया गया है, जिसमें दोषियों के इंसाफ से बचने के लिए कोई खामी नहीं छोड़ी गई। यह एक्ट न सिर्फ उन लोगों को निशाना बनाता है जो शारीरिक तौर पर बेअदबी की घटनाएं अंजाम देते हैं, बल्कि मास्टरमाइंडों और साजिशकर्ताओं को भी घेरे में लाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, यह कानून मुकदमे से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'मानसिक अस्थिरता' के आम बचाव को भी संबोधित करता है। नई व्यवस्थाओं के तहत, यदि किसी संरक्षक की देखभाल के अधीन कोई व्यक्ति ऐसी हरकत करता है, तो संरक्षक या देखभाल करने वाले को भी लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिससे पवित्र ग्रंथ की सुरक्षा के लिए उच्च स्तर की जवाबदेही सुनिश्चित होती है।'

कानून मुख्यमंत्री मान व 'आप' कन्वीनर केजरीवाल की पंजाब के लोगों से की गई एक बड़ी गारंटी को पूरा करने का प्रतीक

अपने संबोधन की समाप्ति करते हुए मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'यह कानून मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और 'आप' कन्वीनर अरविंद केजरीवाल द्वारा पंजाब के लोगों से की गई एक बड़ी गारंटी को पूरा करने का प्रतीक है। जहां पिछली सरकारों ने मिलकर कमजोर कानून बनाए जो कानूनी पड़ताल में खरे नहीं उतर सके, वहीं भगवंत मान सरकार ने एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया है।' उन्होंने जोर देकर कहा, 'यह एक्ट पंजाब की शांति और सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की कोशिश करने वाली किसी भी ताकतों के लिए एक सख्त चेतावनी के रूप में काम करता है, जो एक ऐसे नए युग का संकेत देता है जहां राज्य की पूरी ताकत द्वारा धार्मिक आस्था के मान की रक्षा की जाती है।'

एक नजर

गैंगस्टरां ते वार का 89वां दिन: पंजाब पुलिस ने 564 जगहों पर छापेमारी; 245 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 19 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' के 89वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 564 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि 89वें दिन, पुलिस टीमों ने पांच हथियारों समेत 245 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 22,389 हो गई है। इसके अलावा 82 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 103 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान दो फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों की सूचना भी दे सकते हैं। इसी दौरान पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' के 414वें दिन आज 79 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 626 ग्राम हेरोइन, 287 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1000 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ सिर्फ 414 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 59,631 हो गई है। नशा छुड़ाऊ मुहिम के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 24 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

सीएम भगवंत सिंह मान ने वाहेगुरु और संगत का किया धन्यवाद

चंडीगढ़, 19 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को ऐलान किया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ पंजाब विधानसभा में पास हुआ बिल राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद अब आधिकारिक तौर पर कानून बन गया है। यह पवित्र ग्रंथ की मर्यादा की रक्षा करने के लिए एक ज़रूरी कानूनी कदम है। पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ विधानसभा में पास हुए बिल पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। अब यह बिल कानून बन गया है। मैं वाहेगुरु का बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने इस विनम्र सेवक को ऐसी सेवा का आशीर्वाद दिया है। पूरी संगत का दिल से शुक्रिया। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने इस विकास को सभी के लिए 'बहुत शुभ और ऐतिहासिक पल' बताया। उन्होंने कहा, 'यह सभी के लिए बहुत शुभ और ऐतिहासिक पल है। 13 अप्रैल को बैसाखी के मौके पर पास हुआ बिल अब 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सत्कार एक्ट, 2026' के तौर पर लागू हो गया है। मैं न सिर्फ सिखों को बल्कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में आस्था रखने वाले सभी धर्मों के लोगों को बधाई देता हूं, क्योंकि यह कानून करोड़ों लोगों की आम आस्था और भावनाओं को दिखाता है।'

मूनक में नए डीएसपी राजेश स्नेही का सख्त संदेश, ड्रग्स तस्करों और गुंडा तत्वों पर कड़ी कार्रवाई होगी

मूनक, 19 अप्रैल। मूनक में नव नियुक्त डीएसपी राजेश स्नेही ने स्पष्ट किया कि पुलिस आम जनता की सुरक्षा और मदद के लिए प्रतिबद्ध है तथा अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और भाईचारा बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। साथ ही ड्रग्स तस्करी पर लगाम लगाना और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। उन्होंने दोहराया कि ड्रग पेडलर्स और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। डीएसपी स्नेही ने आम लोगों से अपील की कि यदि कहीं कोई अपराध हो रहा है, अपराध की आशंका है या आसपास नशे का कारोबार चल रहा है, तो वे बिना डर के तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में वे क्षेत्र की ग्राम पंचायतों, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और क्लब प्रतिनिधियों के साथ बैठकें करेंगे, ताकि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर प्रभावी समाधान निकाला जा सके।

एसएएस नगर में गेहूं की खरीद और आवक जोरों पर

- 80,913 मीट्रिक टन की अब तक की आवक में से 78,912 मीट्रिक टन की खरीद

पंचकूला ऑब्जर्वर

एसएएस नगर, 19 अप्रैल। पंजाब सरकार द्वारा चल रहे रबी सीजन 2026 के दौरान गेहूं की खरीद प्रक्रिया जिला साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर में सुचारू रूप से जारी है। यह जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने बताया कि मंडियों में किसानों के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आज जिले की विभिन्न मंडियों में 19,612 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई है, जिससे कुल आवक का आंकड़ा 80,913 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।

इसके साथ ही आज 21,745 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है, जिससे अब तक कुल खरीद 78,912 मीट्रिक टन हो चुकी है।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक वरिंदर कुमार के अनुसार लिफ्टिंग का कार्य भी तेजी से जारी है। आज 4,313 मीट्रिक टन गेहूं की लिफ्टिंग की गई है, जिससे कुल लिफ्टिंग का आंकड़ा 16,185 मीट्रिक टन हो गया है।

जिला प्रशासन ने बताया कि मंडियों में गेहूं की खरीद, भुगतान और लिफ्टिंग के सभी प्रबंध सुचारू रूप से चल रहे हैं। किसानों की सुविधा के लिए पीने के पानी, सफाई और बिजली की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिला प्रशासन ने किसानों को आश्वासन दिया है कि उनकी फसल की खरीद तुरंत की जाएगी और भुगतान समय पर किया जाएगा, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

जगराओं मंडी के पूर्व विधायक एस.आर. कलेर ने किया दौरा

एसडीएम से खरीद, लिफ्टिंग, बारदाना और पेमेंट में तेजी लाने को कहा

पंचकूला ऑब्जर्वर

जगराओं। शिरोमणि अकाली दल हलका इंचार्ज और पूर्व स्रुरु एस.आर. कलेर ने अपने साथियों के साथ जगराओं मेन अनाज मंडी का दौरा किया। इस मौके पर किसानों ने उन्हें बताया कि मंडी में खरीद, लिफ्टिंग, बारदाना और पेमेंट की समस्या है। उन्होंने आढ़तियों और अपने साथियों की मौजूदगी में स्ठ्ठरू जगराओं से इन समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने स्ठ्ठरू से इन कामों में तेजी लाने को कहा। स्ठ्ठरू जगराओं ने तुरंत इस बारे में संबंधित खरीद एजेंसियों से चर्चा की। इस मौके पर पूर्व स्रुरु कलेर ने कहा कि जगराओं मेन मंडी में लिफ्टिंग न होने के कारण बोरियां जमा हो रही हैं, सरकार को इसे उठाने का इंतजाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को यह पक्का करना चाहिए कि किसानों को मंडियों में कोई दिक्कत न हो, क्योंकि पिछले दो-तीन सीजन में फसल कम होने से किसानों की हालत पहले ही कमजोर है। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन कंवलजीत सिंह मल्लाह, पूर्व चेयरमैन दीदार सिंह मलक, अध्यक्ष शिवराज सिंह, आढ़ती प्रहलाद, स्वर्ण सिंह मलक, हरपाल सिंह पूर्व सरपंच कोठे पोना आदि मौजूद थे।

वृंदावन नाव हादसा: जगराओं के 5 लोगों को आखिरी विदाई देने के लिए भारी भीड़ उमड़ी, नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

जगराओं हाल ही में मथुरा के बृंदावन में हुए भयानक नाव हादसे ने जहां जगराओं के चार परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं, वहीं आज पूरा शहर इस हादसे में जान गंवाने वाले 6 में से 5 लोगों को आखिरी श्रद्धांजलि देने के लिए गमगीन था। जगराओं में आज अलग-अलग धार्मिक जगहों पर हुए श्रद्धांजलि समारोहों में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। हादसे में जान गंवाने वाले चारों लोगों की आत्मिक शांति के लिए सुभाष गेट स्थित मंदिर गीता भवन में श्री गरुड़ पुराण जी का पाठ हुआ। वहीं, मलक रोड स्थित गुरुद्वारा साहिब में हादसे का शिकार हुए एक युवक के अंतिम संस्कार और पाठ का आयोजन हुआ। इस दौरान भक्ति कीर्तन और भजनों के माध्यम से, पारिवारिक सदस्यों और क्षेत्र के निवासियों ने दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान देने के लिए पूरे दिल से

ईश्वर से प्रार्थना की। दुख की इस घड़ी में परिवारों के साथ अपनी सहानुभूति व्यक्त करने के लिए पंजाब के प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां पहुंचीं। श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से शामिल थे- सरबजीत कौर माणूके (निर्वाचन क्षेत्र के विधायक) अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग (सांसद और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष) सतनाम सिंह सिद्धू (राज्यसभा सदस्य) एसआर कलेर (पूर्व विधायक) गुरचरण सिंह ग्रेवाल (शिरोमणि कमेटी के सदस्य) परमिंदर सिंह बराड़ (महासचिव, पंजाब भाजपा) विजय दानव (चेयरमैन, पंजाब दलित बोर्ड) गेजा राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय वाल्मीकि सभा)।

पंजाब के राज्यपाल की मंजूरी के बाद बेअदबी विरोधी बिल पंजाब में बना कानून: संधवां

- अब कोई भी पंजाब में बेअदबी करने की नहीं कर सकेगा हिम्मत

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 19 अप्रैल। पंजाब विधानसभा स्पीकर सरदार कुलतार सिंह संधवां ने बड़ी खुशी के साथ बताया कि पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026 को मंजूरी दे दी है।

उल्लेखनीय है कि यह बेअदबी विरोधी बिल 13 अप्रैल, 2026 को पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब विधानसभा द्वारा पास किया गया था।

स्पीकर संधवां ने बताया कि इस बेअदबी विरोधी अधिनियम के तहत श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने पर उम्र कैद और भारी जुर्माने की व्यवस्था है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि परमात्मा ने मुझे धार्मिक सुरक्षा और भाईचारे की साझेदारी को बढ़ावा देने का मौका दिया है।

पंजाब की मंडियों में 28 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आमद, 24 लाख मीट्रिक टन से अधिक की खरीद: कटारूचक्क

- दाना मंडी टांडा में लिया खरीद प्रबंधों का जायजा, किसानों के खातों में 647 करोड़ रुपए से अधिक की अदायगी
- 122 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य की मंडियों में पुख्ता इंतजाम

पंचकूला ऑब्जर्वर

टांडा, 19 अप्रैल। पंजाब के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने आज यहां दाना मंडी में गेहूं की खरीद प्रबंधों का जायजा लेते हुए कहा कि राज्य की मंडियों में गेहूं की खरीद निर्विघ्न जारी है और अब तक हुई 28 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की आमद में से 24 लाख मीट्रिक टन से अधिक फसल खरीदी जा चुकी है। दाना मंडी में विधायक जसवीर सिंह राजा गिल और संबंधित अधिकारियों के साथ पहुंचे कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने निकटवर्ती गांव बस्ती के किसान जैला की ढेरी की खरीद करवाते हुए बताया कि पंजाब सरकार द्वारा मंडियों में खरीद के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसके कारण किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीद के बदले न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए के हिसाब से अब तक किसानों के खातों में 647 करोड़ रूपए की अदायगी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना उठाने के लिए वचनबद्ध है, जिसके नतीजे के रूप में मंडियों में निर्विघ्न खरीद जारी है।

उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार खरीद के 48 घंटों के अंदर किसानों को बनती अदायगियां की जा रही हैं और इसके साथ ही लिफ्टिंग भी तेज हो रही है। कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से कहा कि किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की दिक्कत पेश न आए। मंडियों में बोरे, मंडी मजदूर और ढुलाई के प्रबंधों की बात करते हुए लाल चंद कटारूचक्क ने बताया कि पूरे राज्य की मंडियों में सभी जरूरी प्रबंध अमल में हैं और गेहूं की खरीद सुचारू ढंग से जारी है।

उन्होंने किसानों द्वारा अपने खून-पसीने और मेहनत से पैदा किए गए एक-एक दाने को खरीदने की राज्य सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में किसानों की फसल न्यूनतम समय में खरीदकर निर्धारित समय में उनके खातों में अदायगियां की जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे गेहूं के अवशेष को आग न लगाएं, बल्कि कृषि विभाग की टीमों के माध्यम से उपलब्ध मशीनरी से इसका खेतों में ही प्रबंधन करें। पिछले दिनों बेमौसमी बारिश के कारण फसल को हुए नुकसान के बारे में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही विशेष गिरदावरी के निर्देश दे दिए थे और किसानों के नुकसान की भरपाई पंजाब सरकार द्वारा की जाएगी।

विधायक जसवीर सिंह राजा गिल ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों की फसल को पिछले सालों की तरह सुचारू ढंग से साथ-साथ खरीदकर लिफ्ट करवाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार ने लगातार किसानों का साथ दिया है और कई बड़े किसान हितैषी फैसले लिए हैं, जिससे राज्य भर में किसानों को बेहद लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों की फसल की खरीद के बदले निर्धारित समय के अंदर-अंदर अदायगियां सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को भी ताकीद की गई है कि मंडियों में किसानों की फसल की समय पर खरीद की जाए।

इस मौके पर एस.डी.एम. लवप्रीत सिंह, मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजविंदर सिंह, मार्केट कमेटी सचिव हरप्रीत सिंह, डिप्टी डायरेक्टर खाद्य एवं आपूर्ति रजनीश कुमारी, डी.एफ.एस.सी. प्रीतकमल सूद आदि भी मौजूद थे।

विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया: नायब सैनी

रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को बताया महिलाओं की विरोधी

पंचकूला ऑब्जर्वर

रोहतक, 19 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में संसद में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को पास नहीं होने दिया और ऐसा करके सभी विपक्षी पार्टियों ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया है। अभी तक कांग्रेस ने महिलाओं को आरक्षण दिलाने के नाम पर केवल दिखावा किया है। मुख्यमंत्री रविवार को रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पश्चिम दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत , भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत 16 व 17 अप्रैल को देश की सर्वोच्च पंचायत में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल का विरोध करके हमारी बहन-बेटियों के हक पर डाका डाला है। लोकतंत्र के मंदिर, संसद में जो कुछ भी हुआ, वह न केवल अलोकतांत्रिक था, बल्कि हमारे देश की आधी आबादी के भविष्य पर एक बड़ा प्रहार था। इस प्रकरण ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टी.एम. सी. और डी.एम.के. जैसे विपक्षी दलों का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात महिलाओं को अधिकार देने की आती है, तो उनका असली चरित्र महिला-विरोधी और सत्ता का लोभी हो जाता है। यह

महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष ने इस अवसर को भी अपनी संकीर्ण राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 16 अप्रैल 2026 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन क्रांतिकारी विधेयक पेश किए थे। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक । इन विधेयकों को लाने के पीछे केंद्र सरकार का संकल्प बहुत स्पष्ट था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार, महिला आरक्षण 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होना था। केन्द्र सरकार जानती थी कि यदि हम जनगणना और लंबी परिसीमन प्रक्रिया का इंतजार करते, तो हमारी बहनों को 2029 के आम चुनाव में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। इसीलिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह साहसिक निर्णय लिया कि इस आरक्षण को जनगणना की शर्त से अलग किया जाए, ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों में ही हमारी महिला शक्ति संसद में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं की भागीदारी कोई दया नहीं, उनका अधिकार है। लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने एक बार फिर महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया है। यह देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात था। नायब सिंह सैनी ने सवाल किया कि आखिर विपक्ष महिलाओं के आरक्षण से इतना डर क्यों रहा है? उत्तर स्पष्ट है कि ये दल जानते हैं कि जिस दिन देश की महिलाओं को उनका पूरा राजनीतिक अधिकार मिल गया, उसी दिन इनकी परिवारवाद की राजनीति खत्म हो जाएगी। महिलाओं के सशक्तिकरण से सबसे बड़ा खतरा उन दलों को है, जिन्होंने दशकों तक महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा, लेकिन नेतृत्व का अधिकार नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल दिखावा किया। समितियां बनाई, बहाने बनाए, लेकिन कभी महिलाओं को उनका अधिकार नहीं दिया। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को सम्मान दिया। लेकिन जब उसे लागू करने की घड़ी आई, तब विपक्ष का असली महिला विरोधी चेहरा सामने आ गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने परिसीमन के नाम पर झूठ और भ्रम फैलाया, कहा गया कि इससे कुछ राज्यों को नुकसान होगा। लेकिन गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संसद में तथ्यों के साथ स्पष्ट कर दिया कि किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। सीटों में समान वृद्धि होगी, सभी राज्यों का संतुलन बना रहेगा। फिर भी विपक्षी नेता लगातार झूठ बोलते रहे, क्योंकि उनका उद्देश्य महिलाओं को अधिकार देना नहीं, बल्कि स्वार्थ की राजनीति करना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 1971 में जब हमारी आबादी 54 करोड़ थी, तब लोकसभा की सीटें 550 तय की गई थीं। आज हम 140 करोड़ हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 की जाए ताकि हर नागरिक का सही प्रतिनिधित्व हो सके। इसको लेकर विपक्ष ने एक और झूठ फैलाया कि इससे दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने स्पष्ट करते हुए बताया कि केंद्र सरकार का मॉडल सभी राज्यों में समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की वृद्धि का था। उदाहरण के तौर पर, दक्षिण भारतीय राज्यों की वर्तमान हिस्सेदारी 23.76 प्रतिशत है, जो इस नए मॉडल में बढ?र 23. 87 प्रतिशत हो जाती।

वर्तमान में अहिंसा परमो धर्म की भावना पहले से अधिक प्रासंगिक : मुख्यमंत्री नायब सैनी

- करनाल में पीयूष ब्लाक अस्पताल के प्रथम तल का किया शिलान्यास, दो पक्षी मीनारों व जीव सेवा केंद्र का भी किया उद्घाटन

करनाल, 19 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जैन धर्म की मूल भावना-अहिंसा परमो धर्म, पहले से अधिक प्रासंगिक है। यह दुनिया के विभिन्न संघर्षों, युद्धों और हिंसा के बीच शांति और प्रेम का संदेश दे रही है। इस धर्म का वर्षी तप पारणा पर्व आज युवा वर्ग के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायी है। यह आत्मनियंत्रण और धैर्य का महत्व समझाता है। यदि युवा पीढ़ी इन मूल्यों को जीवन में अपनाएं तो उनके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र भी प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को करनाल में श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में आयोजित विशेष धर्म सभा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने पीयूष ब्लॉक अस्पताल के प्रथम तल का शिलान्यास, दो पक्षी मीनारों व जीव सेवा केंद्र का उद्घाटन भी किया। उन्होंने अस्पताल में दाखिल मरीजों का हालचाल जाना व मंदिर में भगवान श्री घण्टाकर्ण महावीर की आराधना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने समाजसेवियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज अक्षय तृतीया है। आज ही भगवान परशुराम जी अवतरित हुए थे।

आज वर्षी तप पारणा पर्व भी है। भगवान ऋषभ देव ने 400 दिनों के उपवास का गन्ने के रस से पारणा किया था। उन्होंने प्रदेशवासियों को इन पावन दिवसों की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज वर्षी तप पारणा पर्व आराधना मंदिर में मनाया जा रहा है। यह हिन्दू, जैन तथा बौद्ध परंपराओं में सम्मानित स्थान प्राप्त महा प्रभावी घण्टाकर्ण महावीर देवता का तीर्थ है। यहां महाप्रभावी ओसिया माता का धर्मस्थल भी है। यहां गुरुदेव मनोहर मुनि का समाधि मंदिर आस्था का केन्द्र है।

यहां हर महीने लोगों को जीवन जीने की कला के मार्गदर्शन के लिए आत्म शान्ति शिविरों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्षी तप पारणा पर्व महावीर दानवीर कर्ण की नगरी में मनाया जा रहा है। महावीर कर्ण स्वयं महादानी और दृढ़ व्रती थे। इस नगरी में उनकी आध्यात्मिक तरंगें आज भी फैली हुई हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके सामने आज भी अनेक महादानी और दृढ़ व्रती बैठे हैं। उन्होंने कहा कि करनाल आने पर उन्हें यहां की समाज सेवी संस्थाओं से विशेष प्रेरणा मिलती है।

एक नजर

पूर्व सैनिक दफेदार दिलेर सिंह पंचतत्व में विलीन

कैथल। भारतीय सेना की 7 केवलरी आर्मड कोर में कलर सर्विस करने के बाद सेवानिवृत हुए दफेदार दलेर सिंह का स्वर्गवास हो गया। इसके बारे में जैसे ही पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल को पता चला तो एसोसिएशन प्रधान के साथ उनकी टीम उनके पैतृक स्थल डेरा हरि सिंह वाला गांव सैर में पहुंची। वहां पर अपने पूर्व सैनिक साथी के पार्थिक शरीर पर एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी, कैप्टन मुख्तार सिंह जांगड़ा, चीफ पेटी ऑफिसर राजबीर भाना, सूबेदार बलबीर सिंह, सूबेदार बलविंदर सिंह, सूबेदार मेजर खजान सिंह ने तिरंगा ओढ़ाया और सभी पूर्व सैनिक की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। शमशान घाट में जाकर एसोसिएशन प्रधान ने पुष्प चक्कर यानि रीट चढ़ाई और सूबेदार अवतार सिंह गहुला प्रधान, सूबेदार पंजाब सिंह, इंस्पेक्टर सुरेश कुमार बीएसएफ, हवलदार कुलवंत सिंह, हवलदार गज्जन सिंह, कैप्टन गुरमेल सिंह, हवलदार सुरजीत सिंह, नायक सुरजीत सिंह, कैप्टन मुख्तार सिंह, लेफ्टिनेंट निरंजन सिंह, चाचा नंबरदार कपूर सिंह, सुखविंदर ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरस्वती तट पर मनाई परशुराम जयंती

पिहोवा। भगवान विष्णु के छठे अंश भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव सरस्वती तट पर परशुराम मंदिर में बड़ी श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया गया तथा उसके पश्चात हवन यज्ञ किया गया। हवन यज्ञ के पश्चात कीर्तन किया गया तथा भगवान परशुराम चौक पर जाकर भगवान परशुराम का पूजन करके मिठाई वितरित की गई। उसके पश्चात सरस्वती तट पर आकर भगवान परशुराम मंदिर में कन्या पूजन साधु पूजन किया गया तथा उसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया।

प्राचीन व ऐतिहासिक मेले का आयोजन

रादौर। गांव धौलरा में स्थित बलभद्र जी के मंदिर में रविवार को एक दिवसीय प्राचीन व ऐतिहासिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान बलभद्र जी की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाकर अपने परिवार के लोगों के लिए सुख शांति की कामना की। मेले में सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मेले में दुकानदारों द्वारा सैकड़ों की संख्या में दुकानें सजाई गई थी। ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में हवन यज्ञ में आहूति डालकर सभी के लिए मंगल कामना की। मेले में लगी सैकड़ों दुकानों पर क्षेत्र के लोगों ने खरीदारी की। मेले में आए भक्तों के लिए समाजसेवी ओमप्रकाश धौलरा, संजू धौलरा व अन्य ग्रामीणों ने विशाल भंडारे का आयोजन करवाया।

10 लीटर लाहन सहित आरोपी गिरफ्तार, अवैध शराब तस्करी पर शिकंजा कसना जारी

नरवाना। जिला जींद में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नरवाना पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक जींद कुलदीप सिंह के कुशल मार्गदर्शन में थाना सदर नरवाना पुलिस ने 10 लीटर लाहन अवैध शराब सहित एक आरोपी को काबू किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर नरवाना के प्रभारी उप निरीक्षक कमल सिंह के नेतृत्व में चौकी दनौदा की पुलिस टीम गांव सैथली क्षेत्र में गश्त एवं अपराध जांच के दौरान मौजूद थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति नहर पटरी दनौदा कलां व सैथली के बीच पर अवैध शराब लेकर आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर नाकाबंदी की। कुछ ही समय बाद एक संदिग्ध व्यक्ति सफेद रंग की प्लास्टिक कैनी लेकर आता दिखाई दिया।

गौसंवर्धन को मिली मजबूती: मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना में गौशालाओं को वितरित की आर्थिक सहायता

नरवाना, 19 अप्रैल। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सनातन में आदिकाल से ही गौसेवा और गौपूजा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इसी मूल आदर्श की पालना करते हुए राज्य सरकार ने गौ संवर्धन तथा गौसेवा आयोग का गठन किया है। आयोग का उद्देश्य प्रदेश में गौ संवर्धन को बढ़ावा देना और उन्हें सुरक्षित जीवन प्रदान करना है और यह जिम्मेदारी सरकार द्वारा बखूबी निभाई जा रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार सायं नरवाना के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गौशाला संचालक समितियौ से मुलाकात करते हुए यह विचार व्यक्त किये। मौके पर कैबिनेट मंत्री ने श्री कृष्णा गौशाला समिति बरटा को 2

लाख 92 हजार 560 रुपए तथा जय बाबा खाकनाथ गौशाला समिति कोयल को 1 लाख 39 हजार 380 रुपए के चेक भी वितरित किये। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार गौवंश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में स्थापित गौशालाओं का सही रूप से संचालन हो, इसके लिए सरकार समय-समय पर संचालन समितिंयौ को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर की गौशालाओं को आर्थिक मजबूती और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से वर्तमान बजट में आयोग के लिए बाकायदा 575 करोड रुपए की धनराशि का प्रावधान किया हुआ है। इसके तहत साल में हर तिमाही के बाद प्रत्येक गौशाला को आवश्यकता अनुसार आर्थिक मदद दी जाती है। इसके अलावा आयोग द्वारा गौशाला में प्रत्येक नंदी के लिए प्रतिदिन 25 रूपए, गाय के लिए 20 रूपए और बछड़े के लिए 10 रुपए की दर से सहायता राशि निर्धारित की गई है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार गौसेवा को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारी के रूप में भी देखती है और इसे गौसेवा आयोग और गौशाला संचालक समितियौ के परस्पर समन्वय के साथ निभाया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में गौ हत्या पर भी प्रतिबंध को शक्ति से लागू किया गया है।

कैथल के युवक की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 19 अप्रैल। गांव बाकल निवासी सिमरनजीत सिंह की अमेरिका में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक सिमरनजीत सिंह केमिकल से भरा ट्रक लोड करके चल रहा था कि उसने अचानक उसके आगे ट्रक का एक्सीडेंट हुआ देखा तो उसने ट्रक की ब्रेक लगा ली और ट्रक रोक दिया।

उसके तुरंत बाद पीछे से तेज रफ्तार में आते हुए ट्रक ने सिमरनजीत सिंह के ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे सिमरनजीत के ट्रक की बैटरी से आग की चिंगारी निकली जो बढ़ती बढ़ती ट्रक के पीछे हिस्से तक पहुंच गई। आग तेज रफ्तार से बढने् लगी और तीन ट्रकों को आग लग गई।

आग लगने के कारण सिमरनजीत की ट्रक में गैस बन गई और लॉक लग गया जिसे सिमरनजीत की ट्रक के अंदर ही जल कर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सिमरनजीत सिंह के चचेरे भाई इंद्रपाल सिंह विर्क ने बताया कि सिमरनजीत सिंह को उसके परिजनों ने 17 साल की उम्र में साल 2016 में करीब 50 लाख रुपये खर्च करके डंकी रूट से अमेरिका भेजा था और वहां कैलिफोर्निया में वह ट्रक चलाता था। उसकी दो बहनें भी शादी के बाद अमेरिका में सेटल हो

चुकी हैं। युवक का भी रिश्ता तय हो गया था और जल्द ही उसकी शादी होने वाली थी।

अब परिवार ने उसके शव को भारत लाने में सरकार से सहायता करने की गुहार लगाई है। इंद्रपाल सिंह ने बताया कि उसके चाचा का लड़का सिमरनजीत सिंह अमेरिका में ट्रक चलाता था। परिवार ने उसे इस उम्मीद से विदेश भेजा था कि वह उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करेगा, लेकिन जैसे ही उसकी मौत की सूचना मिली, परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। इंद्रपाल सिंह ने आगे बताया कि सिमरनजीत सिंह का रिश्ता तय हो चुका था। अब परिवार जल्दी उसकी शादी करने वाला था, लेकिन परिवार को नहीं पता था कि उनके बेटे की शादी का सपना अधूरा रह जाएगा। परिवार के लोगों ने सरकार से गुहार लगाई है कि सिमरनजीत सिंह का शव भारत लाने में मदद की जाए।

शॉर्ट सर्किट से एक एकड़ गेहूं के फानों की फसल के अवशेष जले

पंचकूला ऑब्जर्वर

घरौंडा, 19 अप्रैल। घरौंडा में बसताड़ा रोड पर आर्य स्कूल के नजदीक रविवार शाम गेहूं के फसल अवशेषों में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि करीब एक एकड़ के फाने जलकर राख हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। किसान ने इस नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है।

भाकियू के जिला अध्यक्ष व घरौंडा निवासी अजय राणा की जमीन पर हाल ही में गेहूं की फसल काटी गई थी। फानों से तूड़ी बनाने का काम होना था। शाम के समय अचानक फानों में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोग घबरा गए और तुरंत अजय राणा को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही अजय राणा मौके पर पहुंचे और डायल-112 पर

कॉल की। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। फायर कर्मियों ने समय रहते आग को फैलने से रोक लिया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

अजय राणा ने बताया कि उन्होंने पहले भी बिजली विभाग को लिखित में पत्र देकर गेहूं के सीजन में खेतों की बिजली सप्लाई बंद रखने की मांग की थी, ताकि ऐसे हादसे रोके जा सकें। लेकिन विभाग ने इस पर ध्यान नहीं दिया, जिसका परिणाम आगजनी के रूप में सामने आया। पीड़ित किसान अजय राणा ने सरकार और प्रशासन से अपील की है कि खेतों में सुबह-शाम बिजली सप्लाई बंद की जाए और हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए।

हत्या के गुनहगारों की गिरफ्तारी पर अड़े ग्रामीण, साढ़े पांच घंटे बाद खोला जाम

पंचकूला ऑब्जर्वर

निसिंग, 19 अप्रैल। गोली हत्याकांड में मारे गए युवक सूरज के हत्यारोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कैथल रोड गुरुद्वारा चौंक पर ट्रैक्टर ट्राली खड़ी कर जाम लगा दिया। करीब पौने 12 बजे लगे जाम में सैंकड़ों वाहन फस गए। हालांकि वाहनों की कतारों को देख पुलिस ने सांभली मोड और ब्रास कुई के पास नाका लगाकर वाहनों को डायवर्ट किया। बावजूद भी शुरुआत में पहुंचे वाहन जाम में फसे रहे। मौके पर पहुंचे डीएसपी असंध गोरखपाल ने समझाने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण नही माने। बाद में उन्होंने दोषियों पर कार्यवाही और सुरक्षा से संबंधित डीएसपी को मांगपत्र सौंपा। जाम के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। लेकिन जाम शांतिपूर्ण ढंग से लगाया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन और

प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। उन्होंने कहा कि सूरज को गलती की सजा कानून ने दी। उसने अपराध की सजा में पांच साल जेल काटी है। फिर गोलियों से जमानत पर आए सूरज की दिन दहाड़े गली में सुनियोजित तरीके से हत्या कर गांव की शांति को सुलगा दिया है। जिससे गांव की एकता और भाईचारे को चोट पहुंची है। इससे गांव का माहौल फिर से खराब हो गया। ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को सड़क पर रखकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मांगो को लेकर ग्रामीण अड़े रहे। साढ़े पांच घंटे बाद जाम खोलने पर ग्रामीण रजामंद हुए। मामले में पुलिस ने मृतक सूरज के बड़े भाई शुभम की शिकायत पर पांच मुख्य और कई अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एंबुलेंस को गुजरने दिया: जाम के दौरान सड़क को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। लेकिन एंबुलेंस के आने पर साइड से रास्ता दिया जाता रहा। जाम के दौरान सड़क से पांच एंबुलेंस गाड़ि्या निकाली। जाम के कारण ग्राहकों के नही पहुंचने से बाजार में अमूमन दुकानें बंद रही। कड़ी धूप में भी ग्रामीण जाम लगाए बैठे रहे। युवाओं में गहरा रोष और गुस्सा देखने को मिला।

मांग पत्र में यह थी मांगे: जाम के दौरान ग्रामीणों द्वारा डीएसपी को सौंपी गई मांगों में दोषियों का एनकाउंटर करने, कपिल हत्या के बाद परिजनों को मिली सरकारी नौकरी और गन के लाइसेंस रद्द करने, सूरज के परिजनों को सरकारी नौकरी देने सहित कपिल हत्या में नामजद शेष युवकों को सुरक्षा की लिहाज से गन लाइसेंस देकर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग रखी गई। डीएसपी ने जायज मांगों को मानने का आश्वासन दिया। वहीं दोषियों पर अतिशीघ्र कड़ी कार्यवाही की बात कही। उन्होंने कहा कि एक आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर भी कर दिया है। पुलिस की टीम शेष की धरपकड़ के लिए जुटी है। संभवत: सोमवार तक सभी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। आश्वासन के बाद जाम खोला गया। तब जाकर जाम में फसे चालको ने राहत की सांस ली।

शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। काबिले गौर है कि वर्ष 2019 में गोंदर गांव में आपसी कहासुनी में युवक कपिल की डंडों से कुछ युवकों ने पिटाई कर दी थी। दौरान उपचार जिसकी मौत हो गई थी। जिसकी रंजिश के चलते जमानत पर आए सूरज की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या करने के आरोप है। आरोपी मौके से बाइक पर फरार हो गए। घटना शनिवार सांय पौने छह बजे की है। जिसके दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने सब को सड़क पर रख कर जाम लगा दिया।

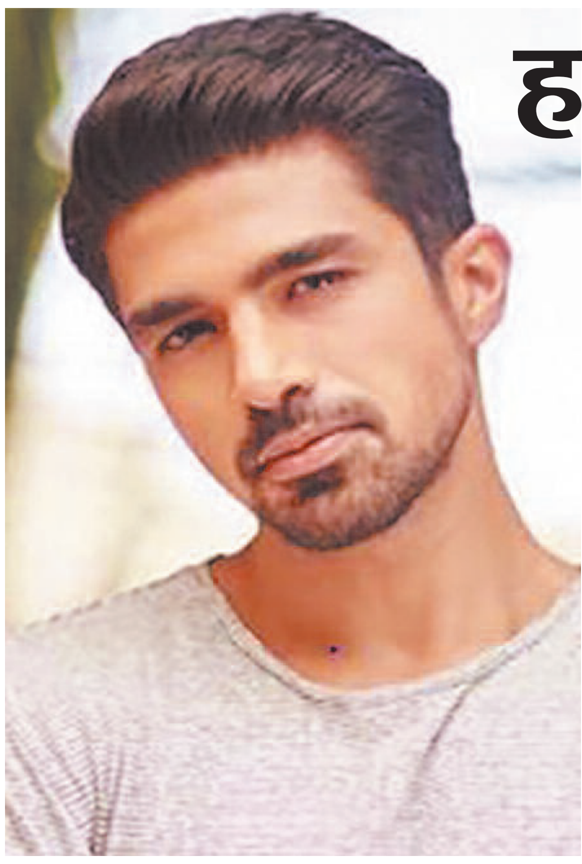

हम जैसों के पास मौके खुद चलकर नहीं आते

वेब सीरीज 'कप्तान' में अभिनेता साकिब सलीम एक बार फिर उसी देसी, रॉ और दबंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसे ऑडियंस पहले भी पसंद कर चुकी हैं। इस सीरीज में उनके साथ सिद्धार्थ निगम और अंजुम शर्मा भी हैं। हाल ही में अमर उजाला से बातचीत के दौरान साकिब ने अपने किरदार, शो के एक्शन, सिद्धार्थ निगम के साथ सेट पर हुई मस्ती, प्रोड्यूसर के तौर पर आने वाली मुश्किलों और अपने करियर की भूख पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

'कप्तान' करते हुए लगा कि चलो फिर से अपने टाइप का रोल मिला?

हां, बिल्कुल... काफी लंबे समय बाद मुझे फिर ऐसा किरदार मिला। 'रंगबाज' के बाद मुझे बहुत प्यार मिला था। उसके बाद लोगों के लगातार मैसेज आते थे कि सर, वैसा कुछ और करिए, कुछ हार्टलैंड वाला काम करिए। मैं भी जिससे मिलता था, पूछता था कि यार, कुछ है क्या ऐसा? इस शो में मुझे एकदम रॉ, करप्ट और हार्टलैंड की कहानी मिली। ऐसा किरदार मिला जिसमें भरपूर स्वैग था। मुझे इसमें बहुत मजा आया। धीरे धीरे चलने में, एक्शन करने में। हम लड़कों को एक्शन करने में बहुत मजा आता है। इस शो में तो भर भरकर एक्शन है। एक पूरे एपिसोड में तो सिद्धार्थ बस बैकफ्लिप ही मार रहा था। मैं और अंजुम एक दिन सेट पर बैठे थे। उसका एक्शन सीन चल रहा था। वह बार बार बैकफ्लिप मार रहा था, दीवार पर चढ़ रहा था, कूद रहा था। मैं और अंजुम एक दूसरे की तरफ देखकर यही सोच रहे थे कि हमसे ये सब नहीं हो पाएगा, हम तो बस गोली चलाएंगे।

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, क्या उतना ही मुश्किल भी होता है?

बिलकुल। देखने में तो बड़ा मजा आता है, लेकिन करने में पसीना छूट जाता है। चोट भी लगती है, ये तो तय है। मुझे भी लगी थी, सिद्धार्थ को भी। लेकिन बात ये है कि सिद्धार्थ को देखकर लगता था, अगर कोई शेर के पिंजरे में घुस जाएगा, तो लगेगी ही न। एक होता है नॉर्मल एक्शन, जो हम लोग करते हैं। बंदूक चलाई, मुक्केबाजी की। लेकिन जो वह कर रहा था, वह अलग ही स्तर का था। यहां से कूदना, वहां से छलांग लगाना, ये सब हम नहीं करने वाले। हमारा एक्शन थोड़ा जमीन पर रहता है। गाड़ी से कूद जाओ, थोड़ा भाग लो, लड़ लो, वह ठीक है।

सेट पर सिद्धार्थ निगम की सबसे ज्यादा खिंचाई किस बात पर हुई?

एक दिन शूट के दौरान बड़ा मजेदार किस्सा हुआ। सिद्धार्थ की शर्ट में ऐसे बटन लगे थे जो हल्के से खिंचने पर खुल जाते थे। उसने दीवार से बैकफ्लिप मारी। और जैसे ही नीचे उतरा, उसकी शर्ट खुल गई। बस फिर क्या था, हमने वहीं मजाक शुरू कर दिया। मैंने कहा, ये बटन ऐसे थे ही क्यों? नॉर्मल बटन नहीं लगा सकते थे क्या? फिर उसे छेड़ने लगे कि तुमने पहले से सोच रखा था क्या कि एक बैकफ्लिप मारूंगा, बटन खुलेंगे और बॉडी दिखाऊंगा। काम जितना होता था, मजाक भी उतना ही चलता था।

अब आप अभिनेता के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आज के समय में प्रोड्यूसर होना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका में एक यूट्यूबर ने फिल्म बनाई। उसने अपनी पूरी कम्युनिटी बनाई। लोगों को फिल्म बनने का पूरा सफर दिखाया। फिर उनसे कहा कि अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं, तो डिस्ट्रीब्यूटर्स को लिखिए। लाखों लोगों ने ऐसा किया। फिल्म ने बहुत अच्छा कारोबार किया। ये उदाहरण मुझे प्रेरित करता है। अगर कोई इंसान इस तरह कर सकता है, तो चीजें हो सकती हैं।

आज इंडस्ट्री में सबसे बड़ी उलझन क्या लगती है?

बहुत सारी चुनौतियां हैं। प्लेटफॉर्म की अपनी चुनौतियां हैं। अब थिएटर और ओटीटी के बीच बड़ी लड़ाई चल रही है। जब मैं आया था, तब मुझे सिर्फ थिएटर वाली फिल्में करनी थीं। अब बहुत कुछ बदल गया है। पहले एक ही रास्ता था। फिल्म बनाओ और थिएटर में रिलीज करो। अब इतने विकल्प आ गए हैं कि स्पष्टता थोड़ी कम हो गई है। कई बार लगता है कि आप प्रोड्यूसर कम और लाइन प्रोड्यूसर ज्यादा बन जाते हैं। क्योंकि कई बार चीजें इस तरह बनने लगती हैं कि चलो, ये बन रहा है तो बना लेते हैं। जबकि फिल्म इसलिए बननी चाहिए क्योंकि आप उसे बनाना चाहते हैं। मेरे हिसाब से वही असली बात है।

बाबिल खान कैसे करते हैं अपने काम पर फोकस?

बॉलीवुड के दिवंगत कलाकार इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य, माइंडफुलनेस और ध्यान पर बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने कैसे इन सबके जरिए अपने आपको जमीन से जुड़ा हुआ रखा। उन्होंने माइंडफुलनेस और अपने अंदर संतुलन खोजने के बारे में एक नया नजरिया पेश किया।

बाबिल ने ध्यान को बताया बुनियादी जरूरत

मनी कंट्रोल से बातचीत में बाबिल खान ने कहा कि उनके लिए ध्यान सिर्फ एक आदत से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे बुनियादी जरूरत बताया है। बाबिल ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान को किसी काम की तरह नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक हिस्सा मानना चाहिए। अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए बाबिल ने कहा, 'मेडिटेशन कोई 'काम' नहीं होना चाहिए। आपको अपने शरीर के अंदर ही अपनी सोच को इस तरह विकसित करना चाहिए कि यह अपने आप होने लगे और पूरे दिन आपके साथ रहे।'

माइंडफुलनेस से मन शांत रहता है

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक 'माइंडफुल' (सचेत) नजरिया अपनाने से मन शांत रहता है। उन्होंने बताया कि इससे हम हर पल में मौजूद रहते हैं, भले ही जिंदगी कितनी भी भाग-दौड़ भरी क्यों न हो।

खुद को स्वीकार करना शांति की नीव

उन्होंने आगे कहा 'आपको जानना होगा कि आप कौन हैं। आपको खुद से लड़ना नहीं है। बस अपनी सोच को इस तरह ढालना है कि आप पूरे दिन उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। यह असल में खुद से प्यार करना ही है। उस मुकाम तक पहुंचने के लिए, सबसे पहले आपको खुद को स्वीकार करना होगा।' बाबिल ने इस बात पर जोर दिया कि 'खुद को स्वीकार करना' ही सच्ची शांति की नींव है। उनका मानना है कि बिना किसी विरोध या आलोचना के, खुद को वैसे ही अपनाना जैसे आप हैं, अपने आप ही एक संतुलित और अनुशासित जिंदगी की ओर ले जाता है।

बाबिल का वर्कफ्रंट

बाबिल खान हाल ही में सोशल मीडिया से ब्रेक पर थे। उन्होंने डिप्रेशन की वजह से ब्रेक लेने का फैसला किया था। आखिरी बार बाबिल खान शो 'लॉगआउट' में नजर आए थे। बाबिल ने भोपाल में अपने एक नए प्रोजेक्ट की शूटिंग भी फिर से शुरू कर दी है।

अपने बयान के चलते निशाने पर आईं श्रीलीला

बीते महीने 'उस्ताद भगत सिंह' के एक इवेंट के दौरान अभिनेत्री श्रीलीला ने अपने माहवारी (पीरियड्स) को लेकर एक बयान दिया था। इसके बाद वो विवादों में घिर गई हैं और सोशल मीडिया पर लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं।

एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने पीरियड्स के दौरान भी काम करना जारी रखा, क्योंकि उनका मानना है कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनका यह बयान ही सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विवादों में घिर गया। हालांकि, बाद में इस बयान को सोशल मीडिया के उस पेज से हटा दिया गया, जिस पर अपलोड किया गया था। उस इवेंट के दौरान श्रीलीला ने कहा था, 'मेरे सभी गाने, कम से कम उनमें से अधिकांश की सराहना हुई है। मैंने मासिक धर्म के दौरान भी शूटिंग की है, इसलिए यह किसी भी तरह का बहाना नहीं है। जब हम सत्ता में कुछ चाहते हैं, जब हम समानता चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें शारीरिक बाधाओं को पार करना होगा। इसलिए मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, ये सब कोई बहाना नहीं है।'

निशाने पर आईं श्रीलीला

श्रीलीला की इसी टिप्पणी के बाद वो सोशल मीडिया पर नेटिजंस के निशाने पर आ गईं। कई यूजर्स ने कहा कि पीरियड्स के दौरान हर किसी का अनुभव अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को हल्की परेशानी होती है, जबकि कुछ को असहनीय दर्द होता है, जो दैनिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है। कई लोगों ने पीसीओएस जैसी स्थितियों का भी जिक्र किया, जो मासिक धर्म को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। श्रीलीला एक मेडिकल फील्ड से आती हैं और खुद भी डॉक्टरी पढ़ी हुई हैं, इसलिए उन्हें और भी लोगों ने निशाने पर लिया। कई लोगों ने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के जनरलाइज बयान से महिलाओं के स्वास्थ्य की जटिलताओं को नजरअंदाज किया गया है। कई यूजर्स ने असहनीय ऐंठन, थकान और हार्मोनल डिसबैलेंस से निपटने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और अधिक संवेदनशीलता और जागरूकता की अपील की। कई लोगों का कहना है कि इस तरह से मासिक धर्म के दर्द को नजरअंदाज करने से गलत मानक स्थापित होंगे और महिलाओं को सपोर्ट नहीं मिलेगा।

इन फिल्मों में नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म है। इसके अलावा वह धनुष के साथ एक आगामी तमिल प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक डी55 है। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ममूटी और साई पल्लवी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में स्वीकारे जाने पर तमन्ना भाटिया ने दिया रिएक्शन

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट पर बात की। इसी के साथ उन्होंने उन खास अवसरों को लेकर भी चर्चा की, जो हाल के दिनों में फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को मिले हैं। बातचीत में तमन्ना ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, 'मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के एक-एक करके रिलीज होने को लेकर बेहद खुश हूं'।

तमन्ना भाटिया ने इंडस्ट्री में खुद को मिलने वाले काम के मौकों के प्रति खुशी जताई। साथ ही कहा कि अधिकांश सितारों को ऐसे मौके नहीं मिलते, खासकर महिलाओं को। तमन्ना ने कहा, 'यह बहुत दिलचस्प है। ज्यादातर कलाकारों को और शायद खासकर महिला कलाकारों को इस तरह का मौका नहीं मिलता। मेरे करियर को 21 साल हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रही हूं'।

साउथ में मिले प्यार पर कही ये बात

अभिनेत्री ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में मिले बेशुमार प्यार और स्वीकार्यता पर अपनी बेहद खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मुझे भी इसमें एक ताजगी का एहसास होता है। और, मुझे लगता है कि दर्शक भी लगातार मेरे प्रति बहुत प्यार और अपनापन दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे सचमुच बहुत ही प्यार से अपनाया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत के साउथ में मुझे बहुत ज्यादा स्वीकार्यता मिली है'।

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म

तमन्ना ने आगे कहा, 'भारत के बाकी सभी हिस्सों से भी मुझे जिस तरह का प्यार और अपनापन मिल रहा है, वह मेरे लिए सचमुच रोमांचक है। साथ ही बहुत विनम्र कर देने वाला अनुभव है। और इसलिए, मैं लगातार ऐसे तरीके ढूंढ रही हूं, जिनसे मैं इस प्यार को किसी न किसी रूप में वापस लौटा सकूं'। वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार की फिल्म 'वीवन' में नजर आएंगी। एकता कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। यह फिल्म इस साल रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

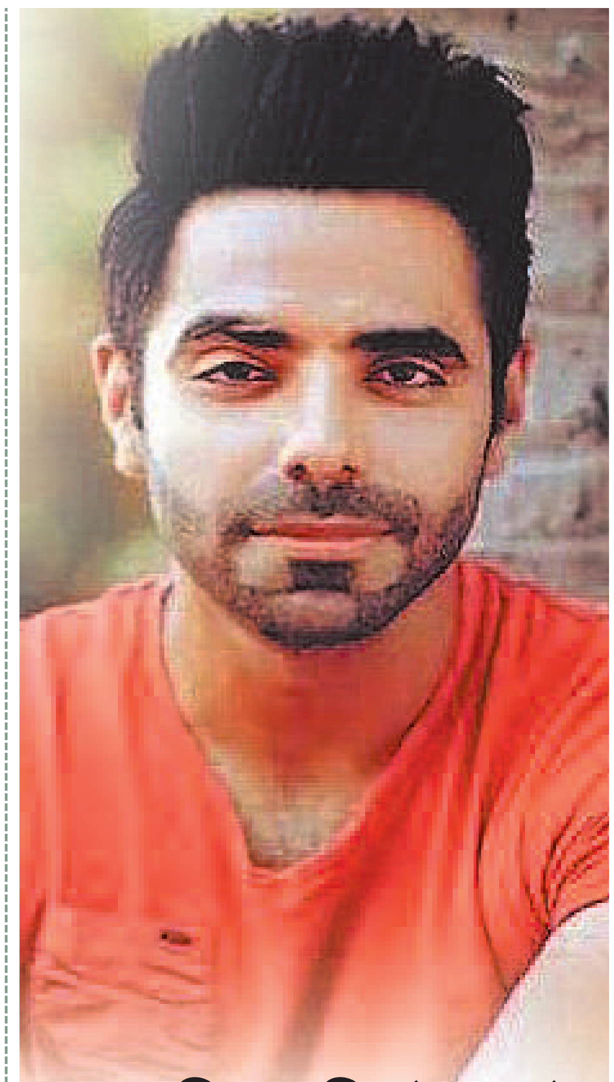

तमिल सिनेमा में डेब्यू को तैयार अपारशक्ति खुराना

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की।

भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी

बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एक्शन के मामले में मुझे नया सीखने को मिला

अभिनेता ने आगे कहा कि एक अभिनेता के रूप में मैं अब तक जो कर चुका हूं उससे कुछ अलग करना चाहता था और एक नई कला सीखना चाहता था, जो इस मामले में एक नई भाषा है। अभिनय के लिहाज से तो यह बहुत अलग नहीं था, लेकिन मुझे एक्शन के मामले में थोड़ा अलग तरीके से काम करना पड़ा। मैंने हिंदी फिल्मों में ज्यादा एक्शन नहीं किया है, इसलिए यही मेरे अभिनय में एकमात्र बदलाव था। यह सिर्फ इंडस्ट्री या भाषाओं के बारे में नहीं है, यह एक बहुत ही बुनियादी गुण है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में मैंने जो एक बड़ा अंतर देखा, वह यह था कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। इससे सेट पर एक खूबसूरत माहौल बनता है।

'रूट्स' से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे अपारशक्ति

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है। उन्हें आखिरी बार 'जब खुली किताब' में देखा गया था। सौरभ शुक्ला द्वारा निर्देशित यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com